उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

हरिद्वार / देहरादून 22 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–02(08 / 106)

सिखों के दसवें गुरू श्री गुरू गोविंद सिंह जी के 350वें जन्मदिन को सम्पूर्ण भारत में वर्ष भर प्रकाशोत्सव के रूप में मनाये जाने की श्रृंखला में मंगलवार को गायत्री परिवार शांतिकुंज के देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रकाशोत्सव में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं केंद्र सरकार के संसदीय कार्य एवं कृषि राज्यमंत्री श्री एस.एस.अहलुवालिया ने राष्ट्र की एकजुटता और अखण्डता में विशेष योगदान देने वाले सिख समाज के संतों, आचार्यो तथा सेवादारों को सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि श्री गुरू गोविंद सिंह जी के 350वें जन्मदिवस को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सम्पूर्ण देश में प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। उत्तराखण्ड में इसकी शुरूआत मुख्यमंत्री आवास से की गयी है। उन्होंने गुरू गोविंद सिंह जी के बहादुरी और देश प्रेम से ओत–प्रोत जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वे बहुप्रतिभा के धनी, कवि, वेदों के ज्ञाता, साधक, देश भक्तों थे, जिन्होंने देश में देशभक्ति का जन मानस के मन में रोपण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को सुसंस्कृत एवं एकजुट राष्ट्र के अपने इतिहास को जानने के लिए गुरू गोविंद सिंह के जीवन को जरूर पढ़ना चाहिए। किस प्रकार उनके आह्वान पर देश के अलग–अलग राज्यों एवं किस प्रकार अलग अलग समाज के लोगों ने अपने प्रियजनों का बलिदान दिया और पंच प्यारे कहलाये। ये प्रकाश पर्व एक माध्यम है गुरू गोविंद सिंह जी द्वारा देश हित के लिए किये गये योगदानों के महत्व को समझने का।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि आज फिर से देश को एकजुट कर विश्वशक्ति के रूप में स्थापित करने का समय है। कई अवांछनीय ताकतें देश को बांटने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए हम सबको इन ताकतों के खिलाफ एकजुट होना है। संसदीय कार्य एवं कृषि राज्यमंत्री श्री एस.एस. अहलुवालिया ने भी उपस्थित जत्थेदारों को समागम में सम्बोधित किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष राष्ट्रीय सिख संगत संत गुरूवर्ण सिंह गिल, निर्मल पंचायती अखाड़ा के अध्यक्ष श्री ज्ञानदेव सिंह जी महाराज, तख्त श्री हरमिंदर साहब प्रमुख जत्थेदार ज्ञानी इकबाल सिंह, राष्ट्रीय सिख संगत के महामंत्री श्री अविनाश जायसवाल, देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति श्री शरद पारधी, जिलाधिकारी श्री दीपक रावत आदि उपस्थित थे।

नोट : जिला सूचना कार्यालय, हरिद्वार से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।

देहरादून 22 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(08/105)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने मंगलवार को पुलिस लाईन में उत्तराखण्ड पुलिस के ट्रेनी आरक्षियों(कांस्टेबल्स) के पासिंग आउट परेड की सलामी ली। इस अवसर पर प्रशिक्षु पुलिस आरक्षियों और उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक समय में पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ी है। पुलिस का काम पारम्परिक पुलिसिंग से आगे बढ़ कर बहुत से अन्य सामाजिक सरकारों से जुड गया है। पुलिस पर लोगों का भरोसा भी बढ़ा है। राज्य में जहां राजस्व पुलिस की व्यवस्था लागू है, वहां भी लोगों द्वारा रेगुलर पुलिस की मांग की जाने लगी है। उत्तराखण्ड पुलिस में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड पुलिस में महिलाओं की संख्या 11 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि राष्ट्रीय औसत 7 प्रतिशत है। पुलिस फोर्स में महिलाओं की भागीदारी के क्षेत्र में उत्तराखण्ड देश के शीर्ष पांच राज्यों में सम्मिलित हो गया है। इसका मतलब यह हुआ कि अब प्रदेश हर थाने में एक या उससे ज्यादा महिला पुलिस की तैनाती हो सकेगी। इससे महिला संबंधी अपराध की रोकथाम और उसके कुशल निवारण में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि **"जब मैं अपनी बेटियों को इस वर्दी में देख रहा हूं तो मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। आज मैं कह सकता हूं कि उत्तराखंड राज्य में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान खूब फल फूल रहा है। आप सारी बेटियां इस राज्य का गौरव है और आपसे उम्मीद है कि आप सब पूरी ईमानदारी और लगन से पुलिस महकमे में अपनी अलग पहचान बनाऐंगी।"**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई स्मार्ट पुलिस की परिकल्पना को दोहराते हुए कहा कि उत्तराखण्ड पुलिस को भी स्ट्रिक्ट और सेंस्टिव, मॉरल और मोबाईल, एलर्ट और एकाउंटेबल, रिलाएबल और रिस्पॉन्सिबल और टेक्नोलॉजी सेवी होना पडेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरूद्ध भी पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पुलिस का नशे के कारोबार के विरूद्ध एक कठोर अभियान चलाने में भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने सभी पास आउट आरक्षियों को उनके सफल कैरियर के लिये शुभकामनाएं भी दी।

पुलिस महानिदेशक श्री अनिल कुमार रतूड़ी ने बताया कि कुल 175 ट्रेनी आरक्षियों का प्रशिक्षण रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर देहरादून में हुआ। कुल सीधी भर्ती के 141 महिला आरक्षियों एवं 34 पुरूष रिक्रूट आरक्षियों को 09 माह का आधारभूत प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें प्रशिक्षण देने हेतु 27 पुलिस अधिकारी/कर्मी नियुक्त रहे। देहरादून जनपद के अतिरिक्त रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर जनपद हरिद्वार, उधमसिंहनगर, चम्बा(टिहरी गढ़वाल), 31वीं वाहिनी पीएसी में भी कुल 792 प्रशिक्षु महिला आरक्षियों का प्रशिक्षण सम्पन्न कराया गया तथा इन सभी स्थानों पर भी पासिंग आउट परेड विभिन्न तिथियों में आयोजित की जा रही है।

दीक्षांत परेड में प्रशिक्षण अवधि में सर्वांग–सर्वोत्तम श्रेणी में महिला आरक्षी कविता और अंजना बेलवाल और पुरूष आरक्षी अंकित बिष्ट को पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर एडीजी श्री अशोक कुमार, आईजी श्री दीपम सेठ सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग। 7055007009